बनास डेयरी संकुल से पशुपालकों की बढ़ी कमाई

बनास डेयरी ने बनासस और आसपास जिलों के किसानों और पशुपालकों का भाग्य बदल दिया है। यह डेयरी हर रोज करीब 03 लाख लीटर दूध की सप्लाई कर रही है। अकेले बनास के ही 14 हजार से ज्यादा पशुपालक परिवार इस डेयरी में रजिस्टर्ड हो चुके हैं। अगले डेढ़ साल में काशी के ही 16 हजार और पशुपालकों को यह डेयरी अपने साथ जोड़ने जा रही है। बनास डेयरी आने के बाद बनासस के अनेक दूध उत्पादकों की कमाई में भी 05 लाख रुपए तक की सालाना

वृद्धि हुई है। हर साल किसानों को बोनस भी दिया जा रहा है। पिछले साल भी 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का बोनस पशुपालकों के बैंक खाते में भेजा गया था। बनास डेयरी द्वारा किसानों को अच्छी नस्ल की गिर और साहीवाल गायें भी दी जा रही हैं इससे भी उनकी आमदनी बढ़ी है।

मत्स्य पालकों की आय में बढ़ोतरी

मछलीपालकों की आय बढ़ाने के लिए भी सरकार लगातार काम कर रही है। पी. एम. मत्स्य सम्पदा योजना से लाखों मत्स्य पालकों को लाभ हो रहा है। उन्हें अब किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी मिल रही है। चंदौली में 70 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक फिश मार्केट का निर्माण भी किया जा रहा है। इससे मछली पालन से जुड़े किसानों को मदद मिलेगी।